UNIT - III

जाति व वर्ण

40

जाति व्यवस्था का निर्माण

जाति शब्द इंग्लिश के CASTE का हिन्दी रूपान्तरण है।

CASTE शब्द पुर्तगाली शब्द CASTA से बना है जिसका अर्थ प्रजाति / वंश / जन्म होता है।

पुर्तगाल के गोरसिया डी आर्टा ने सर्वप्रथम 1665 ईस्वी में जाति शब्द की उत्पत्ति का पता लगाया तथा जाति शब्द का प्रयोग उन लोगों के लिए किया जिन्हें किसी विशेष नाम से जाना जाता है।

जाति व्यवस्था में कोई भी व्यक्ति अपने पिता के व्यवसाय को नहीं छोड़ता।

Scanned by CamScanner

* फ्रांस के प्रसिद्ध विद्वान अब्बेडुब्वाय ने जाति शब्द का प्रयोग प्रजाति के संदर्भ में किया लेकिन

✓ सर्वप्रथम जाति पर व्यवस्थित कार्य → जी एस घुर्ये द्वारा किया गया।

G.S. घुर्ये → जाति इण्डो-आर्यन संस्कृति का बच्चा है जो गंगा-यमुना के दोआब में जन्मा पला व बड़ा हुआ।

→ हट्टन के द्वारा जाति व्यवस्था पर पहली बार प्रजाति के संदर्भ में "प्रकार्यात्मक" दृष्टिकोण दिया गया।

✓ इसने अपनी पुस्तक CAST IN INDIA में भारत में जातियों की संख्या - 3113 बताई।

✓ जी. एस. घुर्ये द्वारा भारत में जातियों की संख्या :- 2000 से ए बताई गई है।

✓ जाति व्यवस्था पर भारत का गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स द्वारा सर्वाधिक कार्य किया गया।

✓ भारत की जाति व्यवस्था पर सबसे महत्वपूर्ण कार्य - GS घुर्ये व डी एन. मजूमदार द्वारा किया गया।

* G.S. घुर्ये ने जाति व्यवस्था को समाप्त करने हेतु अंतरजातीय विवाह करने पर बल दिया गया।

Maxweber द्वारा जाति व्यवस्था को प्रस्थिति समूह

41

Scanned by CamScanner

इरावती कर्वे ने जाति व्यवस्था को उच्च वर्गों की खाई बन्द प्रणाली / राजनीति बताया।

जाति की परिभाषाएं

मजूमदार व मदान → जाति एक बंद वर्ग है।

✓ वेबर → जाति एक बन्द समुदाय है।

✓ कूले → जाति वंशानुक्रमण पर आधारित वर्ग है।

✓ बिजले → यह अनेक परिवारों का समूह है जिसका एक सामान्य नाम होता है जो एक काल्पनिक पूर्वज या किसी विशेष देवता से अपनी उत्पत्ति मानते

42

✓ DR. M. श्रीनिवासन → जाति व्यवस्था जब खराब होगी तब बहुत सारा खुन खराबा करेगी।

✓ Harold gold → जाति के आधार पर जो राजनैतिक गुट बनते हैं उनमें एकता की भावना सर्वाधिक होती है

लुइस ड्युमा → जाति प्रथा एक मनोवैज्ञानिक घटना है जो मानव मस्तिष्क में गहराई से बैठ गई है

Scanned by CamScanner

मुर्जार मिर्डल
जाति प्रथा को कठोर प्रथा के अंदर शामिल
को
करना चाहिए।

✓ कूले - जाति का कोई निश्चित वंश या निश्चित व्यवसाय होता है।

DR गॉडगिल →
जाति व्यवस्था राजनीति का कैंसर है। जो लोकतंत्र का सर्वनाश कर देती है।

जाति की विशेषताएँ

1. G.S. घुरिये के अनुसार
Clast and class in Ind
→ घुरिये ने जाति की 6 विशेषताएँ बताई है —

① समाज का खण्डात्मक विभाजन

② संस्तरण

③ भोजन एवं सहवास संबंधी प्रतिबंध

④ नागरिक, धार्मिक निर्योग्यता व विशेषाधिकार

⑤ विवाह संबंधी प्रतिबंध

⑥ व्यवसाय के चयन पर प्रतिबंध

Scanned by CamScanner

(2) योगेश अटल के अनुसार

Changing frontier of cast — प्रसिद्ध पुस्तक

1. एक व्यवस्था के रूप में
2. एक इकाई के रूप में

(3) वेस्टर मार्क के अनुसार — अन्त विवाह

जाति व्यवस्था के सिद्धान्त

1. व्यवसायों की समानता का सिद्धान्त →

2. धार्मिक सिद्धान्त → होकार्ट और सेनार्ट

इनके द्वारा धर्म के आधार पर जाति की उत्पत्ति को बताया गया है।

→ धर्म ही वह आधार है जो जाति व्यवस्था को बाँधे रखता है।

⇒ भारत में जिस दिन धर्म समाप्त हो जाएगा जाति व्यवस्था अपने निश्चित रूप में नष्ट हो जाएगी।

Scanned by CamScanner

3. माना सिद्धान्त व आदिम संस्कृति सिद्धान्त ÷ हट्टन।

प्रतिपादक : हट्टन
पुस्तक : Caste in India

→ माना को जाति के मुख्य नियमों में शामिल किया गया और जनजातियों का अध्ययन करने के पश्चात जाति के नियमों को ही माना के रूप में संबोधित किया। 44

* माना सिद्धान्त के 4 कारण बताए।

4. परम्परागत सिद्धान्त ÷ मजूमदार

ब्रह्मा ने 4 वेदों का निर्माण किया।

→ प्रथम वेद ऋग्वेद के 10 वें मंडल पुरुष सूक्त से जाति की उत्पत्ति हुई अर्थात जाति व्यवस्था का निर्माण ब्रह्मा के शरीर से हुआ।

5. व्यवसायिक सिद्धान्त ÷ नेसफील्ड

→ इस सिद्धान्त के अनुसार व्यवसायों के कारण जाति का निर्माण हुआ।

→ समर्थक : दहलमंज
नर्मदेश्वर प्रसाद
ब्लंट

Scanned by CamScanner